वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 60 | सोमवार 24 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वसुंधरा बोलीं-वफा का वो दौर अलग था

राज्यपाल कटारिया बोले- संत का सम्मान होता है, संघ प्रचारक को रोटी भी नहीं मिलती

जयपुर. कासं। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि आज लोग उसी की अंगुली काटने का प्रयास करते हैं, जिसे पकड़कर वो चलना सीखते हैं। राजे उदयपुर में विशिष्ट जन सम्मान समारोह में पहुंची थीं। कार्यक्रम में असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया भी मौजूद रहे। इस दौरान कटारिया की मंच पर एक संघ कार्यकर्ता से बहस भी हो गई और उन्होंने बुजुर्ग को मंच से धकेल दिया। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री का सम्मान करना चाहता था, लेकिन कटारिया ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने कार्यकर्ता को जबरन मंच से उतार दिया है। इससे पहले राजे ने कहा कि गुलाबचंद कटारिया ने चुन-चुनकर लोगों को भाजपा से जोड़ा है। सभी तालियां बजाएं। इनका आना-जाना, बैठना और मिलना हमने सब देखा है। वहीं, कटारिया ने भंडारी के संघ प्रचारक के तौर पर उनके प्रयासों की चर्चा की। यह कार्यक्रम जनसंघ के संस्थापक सदस्य रहे सुंदर सिंह भंडारी की पुण्यतिथि और संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया।

भगवान जगदीश को 15 दिन तक काढ़े का भोग लगेगा

स्नान के बाद भगवान को ज्वर आने की मान्यता, ठीक होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे

उदयपुर. कासं। उदयपुर के जगदीश मंदिर में भगवान जगन्नाथ दो दिन पहले बीमार हो गए हैं। अब उनको नियमित काढ़े का भोग लगाया जा रहा है जो अनवरत 15 दिन चलेगा। बरसों से निभाई जा रही इस परम्परा के तहत अब भगवान ठीक होकर सात जुलाई को उदयपुर नगर के भ्रमण पर निकलेंगे और वह खास दिन होगा जगन्नाथ रथयात्रा का। असल में उदयपुर के जगदीश चौक में स्थित जगदीश मंदिर में भी पुरी की तर्ज पर ही भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना की जाती है और उसी तर्ज पर यहां पर विशाल जगन्नाथ रथयात्रा निकाली जाती है। जेष्ठ पूर्णिमा के मौके पर भगवान को 108 घड़ों से स्नान कराया गया, इसके पीछे पुजारी कहते हैं कि भगवान को भी ज्येष्ठ महीने की गर्मी सहन नहीं होती इसलिए उन्हें यह खास स्नान कराया जाता है। इसके बाद भगवान बीमार हो जाते हैं और उन्हें 15 दिनों तक काढ़े का भोग लगाया जाता है। अब अगले 16 दिन ठाकुरजी आराम करेंगे। मंदिर के वंशानुगत पुजारी रामगोपाल बताते हैं कि जगदीश मंदिर में यह परंपरा सैकड़ो वर्षों से निभाई जा रही है। इसमें भगवान को दूध, दही, शहद, केसर और जल से स्नान कराया गया। इसके बाद भगवान बीमार हो गए हैं। पुजारी रामगोपाल 108 घड़ों से स्नान के बाद काढ़े का भोग लगाया जा रहा है। मंदिर में आने वाले भक्तों भी यह देशी जड़ी बूटियों से बने काढ़ा पिलाया जा रहा है। 15 दिनों तक भगवान बीमार रहते हैं।

जयपुर-उदयपुर में तेज बारिश; 17 जिलों में अलर्ट

प्री-मानसून की अच्छी बरसात ने गर्मी से दिलाई राहत; बरसाती नदियों का जल स्तर बढ़ा

जयपुर. कासं

राजस्थान में प्री-मानसून बारिश का दौर जारी है। रविवार दोपहर करीब 2 बजे जयपुर के कुछ इलाकों में तेज बारिश हुई। उदयपुर के सेमारी कस्बे में दोपहर 3:30 बजे तेज बरसात हुई। सोमवार को भी 17 जिलों में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट है। मौसम विभाग ने राजस्थान में अगले 2 से 3 दिन तक लगातार बारिश होने का अनुमान जताया है। कोटा और उदयपुर के आसपास के जिलों में अच्छी बारिश होने के आसार हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान बाड़मेर, जालोर, जैसलमेर, जोधपुर, पाली, अजमेर, टोंक, भीलवाड़ा, भरतपुर, धौलपुर, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़ और राजसमंद में बारिश हुई। कोटा संभाग में लगातार हो रही बारिश से बरसाती नदियों का जल स्तर बढ़ गया है।

आनासागर के तीन गेट खोले

अजमेर के आनासागर में जल स्तर को कम करने और आगामी दिनों में मानसून में होने वाली बारिश को देखते हुए पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। शनिवार को तीन गेट खोलकर पानी छोड़ा गया। पानी छोड़ने का सिलसिला अगले कुछ दिन तक जारी रहेगा। कोटा और झालावाड़ में तेज बारिश होने के बाद बरसाती नदियों का जल स्तर भी बढ़ गया। झालावाड़ के खानपुर इलाके में बहने वाली रूपली नदी का जल स्तर बढ़ने से आसपास के एरिया में पानी भर गया।

राजस्थान के 526 बांध पूरी तरह सूख चुके

जयपुर, अजमेर, दौसा और टोंक की 1.20 करोड़ की आबादी पर जल संकट का खतरा

जयपुर. कासं

राजस्थान में इस सीजन भीषण गर्मी ने बांध, तालाब, नदियों को सूखा दिया। अब बांधों के जलस्तर ने टेंशन बढ़ा दी है। राज्य में प्री-मानसून में भी बीसलपुर और जवाई बांध का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। सभी छोटे-बड़े कुल 691 में से 526 बांध पूरी तरह सूख चुके हैं। इन सभी बांधों में कुल पानी की क्षमता 12900.82 मिलियन क्यूबिक मीटर है। वर्तमान में इनमें केवल 4158.22 मिलियन क्यूबिक मीटर (कुल क्षमता का 32.23 फीसदी) पानी ही बचा है। पिछले साल जून 2023 में मानसून आने से पहले इन बांधों में जलस्तर 6251.48 क्यूबिक मीटर था, जो कुल क्षमता का 48.46 फीसदी है। ये जल संसाधन विभाग राजस्थान की रिपोर्ट बता रही है। इस रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान में केवल 165 बांध ही ऐसे हैं, जिनमें पानी 10 फीसदी से 93 फीसदी तक है।

बांधों में 80 फीसदी से ज्यादा पानी

जयपुर के चंदलाई, कानोता, अजमेर के अनासागर और कोटा के कोटा बैराज बांध ऐसे हैं, जहां पानी की क्षमता बांध

की कुल क्षमता का 80 फीसदी या उससे ज्यादा है। इसमें से चंदलाई, कानोता और आनासागर का पानी पीने के योग्य नहीं है। पानी को केवल सिंचाई की जरूरत के हिसाब से छोड़ा जा सकता है। जयपुर, अजमेर, टोंक और पाली में पीने का पानी बीसलपुर और जवाई बांध से सप्लाई होता है। बारिश से पहले इन दोनों बांधों में स्थिति विकट है। बीसलपुर में कुल पानी की स्टोरेज क्षमता 1095.84 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमक्यूएम) है, लेकिन वर्तमान में इसमें केवल 288.89 एमक्यूएम ही पानी बचा है। इस बांध का फुल गेज 315.50 आरएल मीटर है, जो घटकर 309.78 आरएलमीटर पर आ चुका है। ये हर रोज अब 1 सेमी. कम हो रहा है। आने वाले दिनों में हर रोज 2 सेमी. की कमी होने लगेगी। इस बांध से जयपुर, अजमेर और दौसा जिले की 1.20 करोड़ की आबादी जुड़ी है।

डिजाइन इंडिया इंटीरियर एक्सपो 2024 का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। डिजाइन इंडिया इंटीरियर एक्सपो 2024 का आयोजन यति ग्रुप, इन एसोसिएशन रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ ओर सहयोगी संस्था इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर डिजाइनर, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 2 से 5 अगस्त तक बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें बिल्डिंग मैटीरियल कंस्ट्रक्शन, इंटीरियर डिजाइनिंग, आर्ट एवं टाइल्स मार्बल मॉड्यूलर किचेन से संबंधित सभी उत्पादों का डिस्पले एक हीं स्थान पर किया जाएगा। यति ग्रुप के निदेशक तपन शर्मा ने बताया कि इसमें लगभग 125 स्टाल्स पूरे भारत से लगाई जा रही है। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन आज दिनांक 23/06/2024 को रोटरी डिस्ट्रिक्ट अवार्ड सेरेमनी 2024 भीलवाड़ा में किया गया जिसमें रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डा निर्मल कुनावत, इलेक्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राखी गुप्ता, आई आई एस के निदेशक डा अशोक गुप्ता, पी डी जी श अजय काला, रोटरी क्लब नॉर्थ के अध्यक्ष श्री अनिल जैन, उपाध्यक्ष महेश मंगल और एक्जीक्यूटिव सचिव तरुण जैन द्वारा किया गया।

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ को बेस्ट कम्यूनिटी सर्विस अवार्ड से नवाजा गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

डिस्ट्रिक्ट अवार्ड सेरेमनी 2024 का आयोजन भीलवाड़ा में आयोजित हुआ जिसमें रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ को बेस्ट कम्युनिटी सर्विस अवार्ड से नवाजा गया। अवार्ड डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डा निर्मल कुनावत और इलेक्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डा राखी गुप्ता द्वारा द्वारा दिया गया। इस अवार्ड को रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन अनिल जैन, उपाध्यक्ष रोटेरियन महेश मंगल, एक्सक्यूटिव सचिव रोटेरियन तरुण जैन और तपन शर्मा ने प्राप्त किया।

बी ओ एस एस ई, सिक्किम को बी एस ई आर, राजस्थान से माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक कार्यक्रमों/प्रमाणपत्रों के लिए समकक्षता

जयपुर. शाबाश इंडिया। बीएसईआर (माध्यमिक शिक्षा बोर्ड), राजस्थान ने बीओएसई (मुक्त विद्यालयी शिक्षा और कौशल शिक्षा बोर्ड, सिक्किम) के माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक कार्यक्रमों/प्रमाणपत्रों को समकक्षता प्रदान की है। बीओएसएसई, सिक्किम के अध्यक्ष डॉ. कुलदीप अग्रवाल ने बताया कि सचिव बीएसईआर, अजमेर के कैलाश चंद्र शर्मा ने हाल ही में बीओएसएसई को समकक्षता/मान्यता पत्र जारी किया, इससे पहले असम, गोवा, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के राज्य बोर्डों ने समकक्षता/मान्यता प्रदान की है। बी ओ एस एस ई को दो राष्ट्रीय बोर्ड - एन आई ओ एस और सी बी एस ई भी बी ओ एस एस ई उत्तीर्ण छात्रों को प्रवेश लेने की अनुमति देते हैं। बी ओ एस एस ई पहले से ही सी ओ बी एस ई (स्कूल शिक्षा बोर्ड परिषद) का सदस्य है और यह मंत्रालय द्वारा अपलोड की गई वैध बोर्डों की सूची में भी शामिल है। शिक्षा, भारत सरकार अपनी वेबसाइट पर। डॉ. अग्रवाल ने आगे कहा कि बोस की स्थापना 8 अक्टूबर, 2020 को सिक्किम विधानमंडल सरकार के एक अधिनियम द्वारा की गई थी। चार साल से भी कम समय में, बोस स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने में सक्षम हुआ है। शिक्षा में मौजूदा मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए, बी ओ एस एस ई ने कई सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित की हैं। सबसे हालिया सम्मेलन नवंबर 2023 में था, जब बी ओ एस एस ई ने गंगटोक में COBSE के वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी की, जहां देश के लगभग 40 बोर्ड ठएढ 2020 को लागू करने में बोर्डों की भूमिका पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए। बी ओ एस एस ई द्वारा आयोजित एक और महत्वपूर्ण सम्मेलन था ग्लोबल रेनबो फाउंडेशन, मॉरीशस और यूनेस्को के सहयोग से 20 अगस्त 2022 को यूनेस्को, नई दिल्ली, भारत में 'दिव्यांगजनों (विशेष आवश्यकता वाले विकलांग व्यक्तियों) को शिक्षित करना, सक्षम बनाना और सशक्त बनानाः मुद्दे और चुनौतियाँ' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। BOSSE ने कई पुरस्कार जीते हैं, जिसमें 12 नवंबर, 2022 को बैंकॉक में आयोजित एशिया एजुकेशन कॉन्क्लेव में दिया गया 'भारत में सर्वश्रेष्ठ इनोवेटिव ओपन स्कूल बोर्ड' पुरस्कार भी शामिल है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि बीओएसएसई एनईपी 2020 के आधार पर पाठ्यक्रम लागू करने वाला पहला बोर्ड बन गया है, जिसे माननीय द्वारा जारी किया गया था। सिक्किम के शिक्षा मंत्री. इस पाठ्यक्रम पर आधारित अध्ययन सामग्री भी विकसित की गई है। उन्होंने ग्रुप चेयरमैन श्री के प्रति आभार व्यक्त किया। हेमन्त गोयल जिनके सहयोग और प्रोत्साहन के बिना BOSSE इतना कुछ हासिल नहीं कर पाता। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, कुशल और प्रभावशाली टीम की भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि बीओएसएसई एनईपी 2020 के सिद्धांतों के आधार पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नेट थिएट पर उप शास्त्रीय संध्या का भव्य आयोजन हुआ, लगन बिन जाने न निर मोही

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रंखला में आज युवा उप शास्त्रीय कलाकार सुनील सैनी ने राग बागेश्वरी में बलमा मोरी तोर संग लागली प्रीत,घर आंगना कछु नाही भावे को द्रुत लय में बड़े सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर दर्शकों की दाद पाई । नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार सुनील ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना रख लाज मोरी गणपति से की। इन्होंने अपने गायन मे जिनको नहीं है बोध तो गुरु ज्ञान क्या करें, निज रूप को जाना नहीं पुराण क्या करें को द्रुत लय में प्रस्तुत कर अपनी गायकी का परिचय दिया ' इसके बाद एक लगन बिन जाने न निर मोही,बिना लग्न की प्रीत बावरे ओस नीर जसू धोई सुना कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इनके साथ तबले पर शकील खान और हारमोनियम पर शेर अली खान ने अपनी संगत से कार्यक्रम को परवान चढ़ाया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, प्रकाश एवं कैमरा मनोज स्वामी, संगीत विनोद सागर गढ़वाल और मंच सज्जा जीवितेश शर्मा और अंकित शर्मा नोनू की रही।

पदमचंद गांधी संत कबीर सम्मान से हुए सम्मानित

उज्जैन. शाबाश इंडिया। महाकाल की नगरी उज्जैन में राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना द्वारा 22 जून 2024 संत कबीर जयंती के उपलक्ष में संत कबीर सम्मान सम्मानित किया गया। इस उपलक्ष में राष्ट्रीय एकता के प्रतीक संत कबीर पर उद्बोधन दिया जिसमें बताया कि कबीर का जीवन आज के परिपेक्ष में प्रासंगिक है जो सामाजिक सौहार्द्रता तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को जागृत करता है। श्री गांधी पूर्व में भी श्रेष्ठ श्रावक सम्मान, श्रेष्ठ लेखक सम्मान, राष्ट्रीय साहित्य सम्मान, जिनवाणी अवार्ड, श्रेष्ठ समाज सेवा अवॉर्ड आदि अनेकों सम्मानों से सम्मानित किया जा चुके हैं ' आप निरंतर आध्यात्मिक धार्मिक एवं समाज सेवाओं में अपनी अनवरत सेवाएं दे रहे हैं।

महावीर पार्क महावीर नगर में योग शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मोर्निंग क्लब, महावीर नगर के द्वारा महावीर नगर के महावीर पार्क में योगा शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर लोगों ने योग के आसनों का अभ्यास करते हुए जीवन में स्वस्थ रहने के गुर सीखे। इस अवसर पर मोर्निंग क्लब, महावीर नगर से जुड़े दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र जैन पांडया, रिटायर्ड न्यायाधिपति एन के जैन, रिटायर्ड आईपीएस अनिल जैन व सुनील जैन आदि सदस्यो ने शिविर में भाग लेते हुए विभिन्न आसनों का अभ्यास किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर द्वारा जीव दया कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। 23 जून 2024 रविवार को प्रातः 10:00 बजे हेल्प ईन सफरिंग, महारानी फार्म , श्मशान घाट के पास में पशु - पक्षियों (गायों, घोड़े , बंदर , स्वान , बिल्ली, सुअर , मुर्गी) को दाना चुगा , पानी खिलाने के कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। आज के कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष अनिल जैन,संरक्षक सुरेन्द्र पांडया, अध्यक्ष सुशीला विनोद बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील बज , सचिव महावीर मुन्नादेवी पांड्या, कोषाध्यक्ष निर्मल सेठी, सहसचिव राजेन्द्र छारेड़ा, प्रचार प्रसार सचिव कैलाश पाटनी, संगठन सचिव अशोक छाबडा, प्रवीण उमा सेठी , नरेंद्र कासलीवाल, राजेन्द्र मंजू बड़जात्या , बेनीप्रसाद पुष्पा अजमेरा , सांस्कृतिक सचिव सुनील मीना काला की सहभागिता रही। कार्यक्रम में विशेष रूप से जस्टिस नरेन्द्र जैन ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। हेल्प इन सफरिंग में आज गाय 2, बंदर 20, घोड़ा 2, सावन 222, बिल्ली 27, पक्षी 98 , खरगोश 9, ऊंट 1, कुल संख्या 407 पशु पक्षियों का इलाज चल रहा है। श्रीमती अनेना (Animal Care Manager) ने ग्रुप के सदस्यों को घायल पशु पक्षियों के विभिन वार्डों में भ्रमण कराकर सम्पूर्ण इलाज के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। संस्थान में 7 डॉक्टर कार्यरत है।गुलाबीनगर ग्रुप के सदस्यों के सहयोग से HELP IN SUFFERING में पशुओं पक्षियों के चुग्गा पानी व दवाईयों के सहायतार्थ राशि रु 7100/- दिये। अध्यक्षा सुशीला बड़जात्या ने सदस्यों को कार्यक्रम में सहयोग के लिये आभार व धन्यवाद दिया।

श्री राजेश-श्रीमती जैना जी गंगवाल

संरक्षक दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

Happy Anniversary

24 जून' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका
सचिव: राजेश - रानी पाटनी
कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन
सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

वेद ज्ञान

ईश्वर से किया निवदेन ही प्रार्थना

ईश्वर से किसी कामना की पूर्ति के लिए प्रगाढ़ विश्वास के साथ किया गया निवेदन प्रार्थना कहलाता है। इस प्रकार प्रार्थना धार्मिक भावना से अनुप्राणित हृदय की करुण पुकार है, जो ईश्वर से सीधा संबंध स्थापित कर हमारा मनोरथ पूर्ण करने में सहायक होती है। प्रार्थना के समय दोनों हाथ उठाकर अंगूठों को भौंहों के मध्य स्थित आज्ञाचक्र पर स्पर्श कराने और शीश को झुकाने से आध्यात्मिक ऊर्जा का सृजन होता है और शरणागत भाव जाग्रत होता है। मुख्यतः प्रार्थना लौकिक सुख की कामना, आध्यात्मिक उन्नति अथवा सार्वजनिक कल्याण की भावना से की जाती है। महात्मा गांधी की दृष्टि में प्रार्थना आत्मा की आध्यात्मिक भूख है। प्रार्थना सार्वभौमिक है। यह व्यक्तिगत हो सकती है और सामूहिक भी। शब्दों द्वारा अभिव्यक्त हो सकती है और मौन भी। प्रार्थना हृदय की पुकार है और अनंत शक्ति का स्रोत भी। चिकित्सा के दौरान उपचार असफल रहने की निराशाजनक स्थिति में रोगी को दवा के साथ दुआ की भी आवश्यकता पड़ती है। इसके मनोवैज्ञानिक प्रभाव से आत्मबल में वृद्धि होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी। अनेक लोगों की ऐसी धारणा है कि जीवन की अधिकतर घटनाएं प्रारब्धजन्य हैं। प्रार्थना की सफलता व्यक्ति के आध्यात्मिक स्तर पर निर्भर है। प्रारब्ध की तीव्रता के सापेक्ष प्रार्थना के बलवती होने पर ही प्रार्थना फलीभूत होती है। एक विद्वान का सुझाव है-हमें प्रार्थना करते वक्त ईश्वर पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, न कि अपनी परेशानियों या मुसीबत पर। तन्मयतापूर्वक और बेसुध होकर भाव-प्रवाह में बहते हुए हृदय की गहराई से की गई प्रार्थना कभी बेकार नहीं जाती, परंतु आत्मसंयम की कमी, माता-पिता व गुरुजन के अनादर, किसी को क्षति पहुंचाने की नीयत या अतार्किक होने की दशा में प्रार्थना निष्फल हो जाती है। प्रभु के प्रेमी भक्तगण भगवान से सांसारिक सुख की भीख न मांगकर एकमात्र उनकी सहज कृपा की ही याचना करते हैं। भक्त प्रह्लाद ने भगवान से यही प्रार्थना की थी कि उनके हृदय में कभी कुछ मांगने की इच्छा ही न हो। विनय पत्रिका में गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं इस नश्वर जगत में कामनाओं की मृग-मरीचिका के पीछे भटकते जीवन बीत गया।

संपादकीय

अच्छे कानून व्यवस्था वाले राज्य में अवैध काम से गई लोगों की जान

किसी त्रासद घटना का सबक यह होना चाहिए कि उसमें हुई हानि को ध्यान में रख कर बाकी जगहों पर भी ऐसे उपाय किए जाएं जिससे वैसी घटनाओं से बचा जा सके। मगर विडंबना यह है कि ज्यादातर घटनाओं को स्थानीय समस्या मान कर दूसरी जगहों पर उसकी अनदेखी कर दी जाती है या फिर उसे महज एक खबर की तरह देखा जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों से अक्सर जहरीली शराब का सेवन करने से लोगों के मरने की खबरें आती रहती हैं। मगर वैसी घटनाओं में कारणों और

परिणाम को लेकर एक व्यापक चिंता ठोस शक्ल नहीं लेती। गौरतलब है कि तमिलनाडु के कल्लाकुरिचि जिले में अवैध देसी शराब पीने की वजह से कम से कम सैंतालीस लोगों की जान चली गई और अन्य तीस लोगों की हालत बेहद गंभीर हो गई। इस शराब के सेवन से एक सौ पैंसठ लोग बीमार हुए थे, जिन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। यह अवैध तरीके से शराब बना कर लोगों को बेचने वाले की आपराधिक लापरवाही का नतीजा है, लेकिन जिस तमिलनाडु को कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर बेहतर स्थिति में माना जाता है, वहां पुलिस-प्रशासन की नाक के नीचे शराब के नाम पर जहर परोसने का गैरकानूनी कारोबार करने वालों को यह सुविधा कैसे मिली कि वे बेधड़क अपना धंधा चला रहे थे और उनके पास भारी संख्या में लोग शराब पीने पहुंचते थे।

जाहिर है, इतने सारे लोगों के मारे जाने के बाद अब सरकार और प्रशासन की ओर से एक औपचारिकता पूरी करने के लिए घटना की जांच, गहन तलाशी अभियान चलाने का निर्देश और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया गया है। सरकार ने जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को आर्थिक मदद की भी घोषणा की है। सरकार ने उस इलाके में प्रभावित लोगों की वास्तविक संख्या जानने के लिए घर-घर जाकर गणना करने की भी बात कही है। यह अपील की गई है कि जिन लोगों ने अवैध शराब का सेवन किया है, वे जल्द से जल्द जांच कराएं और जरूरी होने पर इलाज कराएं। इसे सरकार की संवेदनशीलता के तौर पर देखा जा सकता है। मगर यह समझना मुश्किल है कि सरकारी तंत्र की इस तरह की सक्रियता किसी त्रासद घटना के सामने आने और उसके तूल पकड़ लेने के बाद ही क्यों दिखाई देती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से बिगड़ रही लोगों की दिनचर्या

इस वर्ष की गर्मी को लेकर जिस स्तर के संकट के अनुमान पिछले कई महीनों से व्यक्त किए जा रहे थे, वे जमीन पर उतरते दिख रहे हैं। दिल्ली में भयंकर लू की चपेट में आने से सत्रह लोगों की मौत की खबर आ चुकी है और इस संख्या में बढ़ोतरी

की आशंका जताई जा रही है। धूप की तपिश सहनशक्ति की सीमा के पार करने से बीमार हुए लोग जितनी तादाद में अस्पतालों में भर्ती कराए जा रहे हैं, उससे पता चलता है कि इस गर्मी की मार पिछले कई वर्षों के मुकाबले ज्यादा पड़ रही है। यों तो देश भर में इस बार तापमान जिस स्तर पर सता रहा है, वह परेशान करने वाला है, मगर दिल्ली में न्यूनतम तापमान ने भी पिछले पचपन वर्ष का रिकार्ड तोड़ दिया। मौसम विभाग के सफदरजंग केंद्र के मुताबिक 18 जून की रात को न्यूनतम पारा सामान्य से आठ डिग्री ज्यादा यानी 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालत यह है कि दोपहर के समय के तापमान ने बहुत सारे लोगों के सामने न केवल सामान्य दिनचर्या, बल्कि जीवन तक का संकट पैदा कर दिया है। कई राज्यों में स्कूलों की बंदी को लेकर नए निर्देश जारी करने पड़े। एक ओर ऐसे तमाम लोग हैं, जिनके सामने अपनी जिंदगी चलाने के लिए जानलेवा लू के बीच भी काम करने की मजबूरी है, तो दूसरी ओर सरकारी स्तर पर शायद ही ऐसे इंतजाम किए जाते हैं, जिनसे खुले आसमान के नीचे जानलेवा तापमान और जोखिम के बीच हाड़तोड़ मेहनत करने वालों को थोड़ी राहत मिल सके। कड़ाके की ठंड में जिस तरह बचाव के लिए कंबल और रैन बसेरे बनाए जाने को लेकर कुछ कदम उठाए जाते हैं, उस तरह धूप से बचाव के घटते ठौर के समांतर एक समय जगह-जगह दिखने वाले प्याऊ या मुफ्त पानी के इंतजाम अब शायद ही कहीं दिखते हैं। हालांकि मौसम के मिजाज को देखते हुए बहुत सारे लोग बेहद जरूरी काम होने पर ही घर से निकलते हैं, मगर संतोषजनक आवास और कामकाज की जगहों पर बचाव के उपायों के अभाव के बीच कई लोग लू की तपिश में दम तोड़ दे रहे हैं। मौसम की गति को थामना शायद असंभव है, मगर सरकार अगर लू से बचाव और बीमार होने वालों के इलाज को लेकर मानवीयता के लिहाज से कुछ कदम उठाए तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती है।

वर्णी ज्ञान प्रभावना रथ का वर्णी जी की कर्मभूमि मड़ावरा में हुआ भव्य स्वागत

शोभायात्रा, रथ पर विराजमान वर्णी की मूर्ति ने किया नगर भ्रमण, द्वार-द्वार पर हुई आरती और स्वागत

ललितपुर. शाबाश इंडिया

बुंदेलखंड सहित देशभर में शिक्षा की अनोखी अलख जगाने वाले जनपद के ग्राम हंसेरा (मड़ावरा) में जन्मे गणेशप्रसाद जी वर्णी जी की 150 वी जन्म जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में वर्णी जी की मूर्ति रथ पर विराजमान होकर मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश के विभिन्न नगरों, कस्बों में होते हुए वर्णी जी कर्मभूमि वर्णी नगर मड़ावरा आगमन हुआ जिसका भव्य स्वागत विद्या विहार प्रांगण में किया गया। इसके बाद प्रातः 10 बजे से गणेश वर्णी प्रभावना रथ नगर के डाक बंगला, नया मंदिर, नेमिनाथ मंदिर, वर्णी पूर्व माध्यमिक विद्यालय, मुख्य बाजार आदि मुख्य मार्गों से गाजे-बाजे के साथ प्रभावना करते हुए पुनः विद्या विहार प्रांगण रथ पहुँचा। रास्ते में अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने आरती उतारी व स्वागत किया, वर्णी जी को नमन किया, बड़ी संख्या में वर्णी विकास संस्थान समिति एवं मड़ावरा जैन समाज के लोग रथ के साथ चलते हुए वर्णी जी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। वर्णी विकास संस्थान समिति के पदाधिकारी खुशी में भक्ति नृत्य करते

हुए चल रहे थे। इसी बीच वर्णी जी जहाँ रहते थे एवं जहाँ वह प्रवचन सुनते थे जिससे उनका जीवन परिवर्तन हुआ उस स्थान का भी बाहर से आए गणमान्य लोगों ने अवलोकन किया। वर्णी प्रभावना रथ के नगर भ्रमण के बाद वर्णी नगर, विद्या विहार प्रांगण में गुणानुवाद सभा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सभा का शुभारंभ वर्णी पूर्व माध्यमिक विद्यालय मड़ावरा की शिक्षिकाओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ, स्वागत भाषण वर्णी विकास संस्थान समिति के अध्यक्ष डॉ हरिश्चंद्र जैन सागर ने किया। संचालन वर्णी विकास संस्थान समिति के मुख्य संयोजक सोनू चंद्रेश शास्त्री जैसीनगर ने किया तथा आभार प्रदर्शन रथ के मुख्य संयोजक मनीष विद्यार्थी शाहगढ़ ने किया। वर्णी गौरव से सम्मानित हुए विशिष्टजन : इस मौके पर वर्णी प्रभावना रथ के स्थानीय संयोजकों एवं रथ प्रभारियों को वर्णी गौरव उपाधि से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। पंडित शीतल चंद्र जैन, डॉ. सुनील संचय ललितपुर, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्राचार्य सुरेंद्रकुमार भगवा, प्रमोद जैन गट्ठू बड़ामलहरा, विजय शास्त्री सागर, प्रकाश जैन अदावन, रवि जैन पत्रकार घुवारा, मनीष विद्यार्थी शाहगढ़, श्रीमती अर्चना जैन बरायठा, देवेश शास्त्री बलेह, राजकुमार शास्त्री भगवा, राजकुमार जैन वमनी,संजय शास्त्री तिगोडा,अंकित शास्त्री सागर, सचिन 'चिन्मय' टीकमगढ़ आदि को आयोजन स्थल पर प्रशस्ति पत्र , माला, अंग वस्त्र, तिलक, पगड़ी द्वारा डॉ वी सी जैन, डॉ शिखरचंद सिलोनिया, डॉ राकेश जैन, डॉ हरिश्चंद्र जैन सागर अध्यक्ष वर्णी विकास संस्थान, मुख्य संयोजक सोनू चंद्रेश शास्त्री जैसीनगर ,डी के सराफ, पंडित देवेंद्र जैन सौरई, जीवंधर शास्त्री, अभिनंदन चौधरी, प्रकाशचंद्र जैन, प्रकाश मऊना, संजय शास्त्री सागर, डॉ. विक्रम बजाज,हरिशंकर नायक,विनोद सौरई, अभिषेक सौरया, त्रिलोक जैन मडावरा,संजय शास्त्री ढाना ,अरविंद शास्त्री, पी सी जैन सागर, सूरज चौधरी, प्रकाश सिलोनिया, अभिषेक जैन,कडोरी लाल बण्डा,दीपचंद शास्त्री भोपाल , विमल शास्त्री सागर,प्रकाश शास्त्री सगौनी, कमलेश जेरा, सुनील शास्त्री हीरापुर, टेकचंद जैन, राजुकमार, अरविंद बमाना आदि वर्णी विकास संस्थान समिति एवं मड़ावरा जैन समाज के पदाधिकारियों ने वर्णी गौरव सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया।

श्री प्रमोद-श्रीमती नमिता जी जैन

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

24 जून' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका
सचिव: राजेश - रानी पाटनी
कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन
सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

श्री अनिल-श्रीमती अनीता जी जैन

संगठन सचिव दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

24 जून' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका
सचिव: राजेश - रानी पाटनी
कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन
सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

विज्ञान मति माताजी का नौगामा में भव्य मंगल प्रवेश हुआ

नौगामा. शाबाश इंडिया। परम पूज्य 105 विज्ञान मति माताजी का आज नौगामा नगर में बड़े हर्ष उल्लास के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ वर्षा की भीनी भीनी फुवारो बीच बैंड बाजो साथ विशाल जैन समूह के साथ हाथों में पचरंगी झंडों के साथ मंगल कलश के साथ माताजी की अगवानी की गई उधर जोलाना नगर से तीन माता जी का संघ का मंगल प्रवेश हुआ सभी माता जी का मिलन 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर परिसर में हुआ वर्षा की फुहार के साथ जयकारों की सात नगर की गलियां गूंजा मन हो रही थी सभी माताजी संघ सहित वागड़ के बड़े बाबा आदिनाथ एवं नेमिनाथ की विशाल प्रतिमाओं के दर्शन कर अभीभूत हुए माताजी द्वारा सभी श्रद्धालुओं मंगल आशीर्वाद प्रदान किया माता जी द्वारा सुखोदय तीर्थ सम्मेद शिखर की वंदना की माता जी द्वारा नवनिर्माण अधीन 1008 मुनि सुवरनाथ भगवान का निर्माणधिन जिनालय शीघ्र पूर्ण हो ऐसा आशीर्वाद प्रदान किया एवं सभी टोक की वंदना की नोगामा नगर के धर्म प्रेमी बंधुओ द्वारा माताजी को चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट किया इस अवसर पर विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी ने बताया कि दिनांक 24 जून को आदिनाथ विधान का आयोजन माता जी के सानिध्य में होगा आज प्रातः हो आदिनाथ मंदिर की में माता जी के सानिध्य में भी विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया अभिषेक करने का प्रथम सौभाग्य पिंडारमिया ललित सुखलाल पिंडारमियां रतनलाल मीठालाल को प्राप्त हुआ उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक द्वारा सदस्यो के लिये मूवी शो का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक के द्वारा अपने सदस्यों के मनोरंजन हेतु फिल्म शो एवं वात्सल्य भोज का कार्यक्रम 23 जून 2024 रविवार को आयोजित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष डॉ इन्द्र कुमार जैन ने बताया कि सदस्यों के मनोरंजन हेतु मूवी देखना, रेस्टॉरेंट में भोजन पूल पार्टी, धार्मिक आयोजन एवं यात्रा आदि के आयोजन समय समय पर किये जाते रहे हैं। ग्रुप के सदस्य मूवी हेतु सिनेपोलिस सिनेमा हॉल WTP में प्रातः 9 बजे पहुंचे वहां अल्पाहार की व्यवस्था थी सभी सदस्यों ने अल्पाहार किया साथ ही ग्रुप में नए जुड़े सदस्यों का माल्यार्पण एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। मूवी के पश्चात वात्सल्य भोज हेतु रॉयल लक्ष्मी पैलेस एस एल मार्ग खछठ पर पहुंचें वहां लंच की व्यवस्था थी। लंच के साथ साथ ग्रुप के सदस्यों हाउजी आदि गेम खेल के मनोरंजन किया। मूवी एवं वात्सल्य भोज कार्यक्रम में महावीर-शकुंतला बिंदायका संरक्षक, महावीर-लक्ष्मी बोहरा संस्थापक अध्यक्ष, डॉ इन्द्र कुमार-स्नेह लता जैन अध्यक्ष, नवल-सुनीता जैन सचिव,मुकेश-कल्पना शाह कोषाध्यक्ष, महेश-सरला काला आयोजना सचिव, सुनील-सीमा ठोलिया, संगठन सचिव एवं धनकुमार-अंजना जैन, धर्मेंद्र-मंजू जैन, विजय सीमा सोनी,रोशन लाल आशा जैन, राकेश-ज्योति जैन RTO, आदि सदस्य गण उपस्थित रहे ।

श्रीमती उर्मिला जैन-श्री राकेश जैन

संगिनी फॉरएवर की कोषाध्यक्ष महासमिति राजस्थान महिला अंचल की कोषाध्यक्ष को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं एवम बधाई

अध्यक्ष शकुन्तला- महावीर बिंदायका
सचिव सुनीता - रमेश गंगवाल

श्रीमती सुनीता जी- श्री रमेश जी गंगवाल

संगिनी फॉरएवर के सचिव और महासमिति के इकाई के अध्यक्ष को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाए एवम बधाई

शुभेच्छु

अध्यक्ष : शकुन्तला-महावीर बिंदायका

कोषाध्यक्ष: उर्मिला राकेश जैन

चूलगिरी अतिशय क्षेत्र पर हुआ गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का प्रातः 5:30 बजे सेठी कॉलोनी जयपुर से विहार कर अतिशय क्षेत्र चूलगिरी की वंदना हेतु प्रस्थान हुआ। अनेकों भक्तों ने माता जी के साथ यात्रा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। प्रातः कालीन बेला में भगवान पार्श्वनाथ जी का अभिषेक शांतिधारा पूज्य माता जी के मुखारविंद से किया गया। शांतिधारा करने का सौभाग्य बालचंद जैन भोपाल हरीश जैन जयपुर ने प्राप्त किया। तत्पश्चात भक्ति भावों के साथ अनेकों नगरों से पधारे हुए यात्री गणों ने पूज्य माता जी के चरणों में अर्घ्य समर्पण किया। प्रवचन सभा का आयोजन के अंतर्गत मंगलाचरण की प्रस्तुति भक्तिभाव के साथ संपन्न की गई। माताजी ने श्रद्धालुओं को तीर्थ क्षेत्र के प्रति श्रद्धा भावों को जागृत करते हुए कहां की जिन शासन की शान यह तीर्थ क्षेत्र है। इन्हीं क्षेत्रों का उत्कर्ष रक्षा संवर्धन हमारे जीवन का प्रथम और अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। तीर्थ क्षेत्र ही हमारे जीवन के प्राण है। तीर्थ वह होते हैं जो हमें संसार सागर से तीरा देते हैं। आज की आहार चर्या तीर्थ क्षेत्र पर करने का सौभाग्य परेश जैन जयपुर सपरिवार ने प्राप्त किया। आगामी 24 जून 2024 की आहारचार्य भी सत्संग की इसी क्षेत्र पर संपन्न होगी।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से ...

यदि हम सोचने का ढंग बदल लें तो जिन्दगी हमारी उत्सव बन जाये!

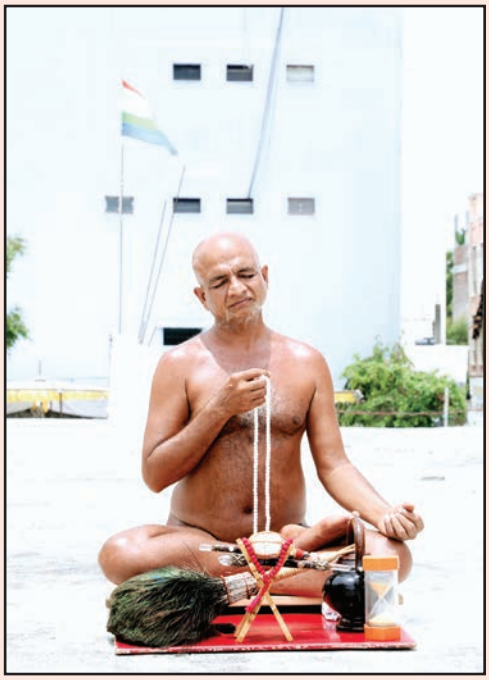

जो स्वयं के बारे में हित और अहित की बात ना सोच सके, वो जीवन ऐसा है, जैसे -- धोबी का गधा ना घर का ना घाट का। अरे बाबु ! तुम तो समझदार हो, बुद्धि जीवी हो। तुम तो स्वयं के बारे में अच्छा--बुरा सोच सकते हो। बुरे से बच सकते हो। अच्छे को कर सकते हो। तुम्हारे साथ तो गधे जैसी कोई मजबूरी नहीं है। फिर क्यों तुम घर और घाट के बीच में भटक रहे हो। गलत फहमियों में जी रहे हो। तुम कौन हुये ? पता है ? -- गधा। गधा किसे कहते हैं- ? 'ग' याने गलत, 'धा' याने धारणा। जो गलत धारणा में जीता है, वो गधा है। गधे की अनेक गलत धारणाएं हैं, जैसे - जब बह चौराहे पर खड़े होकर पंचम स्वर में अलाप भरता है, तो वह अपने आप को अनुराधा पौडवाल से कम नहीं समझता। ये पहली गलत धारणा। दूसरी -- जब वह गांव के बाहर धूल में लौटता है, तो वह अपने आप को अमिताभ बच्चन का बाप से कम नहीं समझता है। तीसरी-गधे को 'वैशाखी नन्दन' कहते हैं। पता है क्यों ? गधा वैशाख माह में मोटा और आषाढ़ में पतला हो जाता है। इसलिए कि वह सोचता है देखो मैंने पुरी हरी घास खा ली, यह सोचकर मोटा हो जाता है। और आषाढ़ यानि बरसात में चारों ओर हरियाली देखकर पतला हो जाता है, इतनी हरी घास मैं कैसे खाऊँगा- ? दिन रात इसी चिन्ता में वह एकदम कमजोर हो जाता है। अब मैं तुमसे कह रहा हूं - यदि तुम्हारे मन में, अपने प्रति, अपनों के प्रति, पड़ोसी के प्रति, परिवार के प्रति, मित्रो के प्रति, गुरु या धर्म के प्रति गलत धारणा रखते हो या तुम गलत धारणा में जीते हो, तो तुम भी। **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ का पद स्थापना समारोह

सरिता भूटानी बनी अध्यक्ष

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ के नव सत्र के पदाधिकारियों का पद ग्रहण समारोह 22 जून 2024 शनिवार को इटोस रेस्टोरेंट में संपन्न हुआ। कॉर्डिनेटर मधु ललित बाहेती ने बताया की पूर्व अध्यक्ष अर्चना माथुर ने आगामी सत्र 2024 -25 के लिये सरिता भूटानी को कालर पहना कर अध्यक्ष का कार्यभार सौंपा। सरिता भूटानी ने स्वागत उद्बोधन में डिस्ट्रिक्ट से आए प्राइम प्रोग्राम के बारे में बताया और कार्य योजना बताई पूरे वर्ष भर इनर व्हील रसोई संचालित करने की जानकारी दी। उपाध्यक्ष प्रमिला पारिक और सरोज गोयनका को प्रोजेक्ट डायरेक्टर बनाया गया। सेक्रेटरी डॉ विजेता गुप्ता ने जरूरतमंद को निशुल्क जयपुर फुट प्रत्यारोपण की जानकारी दी तथा ब्लड डोनेशन कैंप, आई ऑपरेशन और चश्मा वितरण के बारे में बताया। डॉ सुशीला बर्थुनिया, मधु बाहेती, सुशीला मित्तल दीपिका, शशि, विद्या को प्रोजेक्ट डायरेक्टर बनाया। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन स्वाती गुप्ता ने एसिसिएशन गोल्स, इनर व्हील थीम व लोगो के बारे में बताया गेस्ट ऑफ ऑनर पीडीसी अनीता गर्ग और पुष्पा गुप्ता ने सेवा और मित्रता के भाव को समझ कर कम्यूनिटी सर्विसेज वृद्ध जन और अनाथ बच्चों के लिए किये जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी दी। ट्रेजरर रजनी अरोड़ा, आई एस ओ शशि झंवर, सी सी रेनू लालपुरिया कॉर्डिनेटर बीना त्यागी के साथ साथ एक्जीक्यूटिव मेंबर्स गुरप्रीत आनंद, विद्या गर्ग को भी शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम का रोचक संचालन मधु ललित बाहेती द्वारा किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

लीवर साफ करने का सही तरीका और घरेलू उपाय

सेब का सिरका: सेब का सिरका रोज खाना खाने के साथ खाना चाहिये। क्योंकि इससे हमारा लीवर साफ सुथरा हो जाता है। सेब का सिरका हमारे लीवर को साफ करने में एक बहुत ही बड़ा रोल अदा करता है।

किशमिश: सबसे पहले किशमिश को धो लें और एक पैन में 2 कप पानी उबाल कर इसमें 150 ग्राम किशमिश डाल कर रात भर भिगोएं। सुबह इसको छान कर हल्का गुनगुना करें और खाली पेट पी लें। इसका सेवन करने के 25-30 मिनट बाद नाश्ता कर लें। इससे लीवर और किडनी साफ दोनो साफ़ होते है। डायबिटीज के रोगी इसके इस्तेमाल से परहेज करें। इसका सेवन एक महीने में सिर्फ चार दिन ही करें और इस दौरान शक्कर का इस्तेमाल थोड़ा कम कर दें।

शहद और पानी: हमें सुबह लहसुन खाने के बाद शहद मिले गुनगुने पानी को पीना चाहिए। गुनगुने पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर और फिर उसे दो लहसुन खाने के बाद पीले। क्योंकि शहद में मिला गुनगुना पानी हमारे लीवर को साफ रखता है।लहसुन : हमें रोज सुबह उठकर खाली पेट दो लहसुन खानी चाहिए। हमे लहसुन खाने के बाद हमें एक दो गिलास पानी पीना चाहिए। क्योंकि लहसुन हमारे लिवर को साफ रखता है। बीमारियों से बचाए रखता है।तो मित्रों हमें अपने लिवर की सफाई 30 दिन में एक बार अवश्य करनी चाहिए। क्योंकि हमारे शरीर का पूरा स्वास्थ्य लीवर से जुड़ा हुआ है। हमारा लीवर पाचन तंत्र से खून को फिल्टर करने का काम करता है। इस प्रकार हम अपने लीवर को साफ रखकर अनेक बीमारियों से बच सकते हैं।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

नींबू: एक कागजी नींबू (अच्छा पका हुआ) लेकर उसके दो टुकड़े कर लें। फिर बीज निकालकर आधे नीबू के बिना काटे चार भाग करें पर टुकड़े अलग-अलग न हो। तत्पश्चात् एक भाग में काली मिर्च का चूर्ण, दूसरे में काला नमक (अथवा सैधा नमक), तीसरे में साँठ का चूर्ण और चौथे में मिश्री का चूर्ण (या शक्कर चीनी) भर दें। रात को प्लेट में रखकर ढंक दें। प्रातः भोजन करने से एक घंटे पहले इस नींबू की फॉक (टुकड़ा) को मन्दी आंच या तवे पर गर्म करके चूस लें।

जामुन: जामुन के मौसम में 200-300 ग्राम दिया और पके हुए जामुन प्रतिदिन खाली पेट खाने से जिगर की खराबी दूर हो जाती है।

हरूड के छिलके और गुड: जिगर (यकृत) व तिल्ली (प्लीहा) दोनों के बढ़ने पर पुराना गुड़ डेढ़ ग्राम और बड़ी (पीली) हरूड के छिलके का चूर्ण बराबर वजन मिलाकर एक गोली बनायें और ऐसी गोली दिन में दो बार प्रातः सायं हल्के गर्म पानी के साथ एक महीने तक लें। इससे यकृत (Liver) और प्लीहा (Spleen) यदि दोनों ही बढ़े हुए हों, तो भी ठीक हो जाते हैं। विशेष-इसके तीन दिन के प्रयोग से अम्लपित्त का भी नाश होता है।कुछ विशेषआवश्यकतानुसार 15 दिन से 21 दिन लेने से लीवर सहीं होगा। इससे यकृत विकार ठीक होने के साथ पेट दर्द और मुँह का जायक ठीक होगा, भूख बढ़ेगी, सिरदर्द और पुरानी से पुरानी कब्ज दूर होगी।ये यकृत के कठोर और छोटा होने के रोग (Cirhosis of the liver) में अचूक है। पुराना मलेरिया, ज्वर, कुनैन या पारा के दुव्यवहार, अधिक मद्यपान, अधिक मिठाई खाना, अमेधिक पेचिश के रोगाणु का यकृत में प्रवेश आदि कारणों से यकृत रोगों की उत्पति होती है। बुखार ठीक हो जाने के बाद भी यकृत की बीमारी बनी रहती है और यकृत कठोर एवं पहले से बड़ा हो जाता है। रोग के घातक रूप लेने पर युकृत का संकोचन (Cirrhosis of the liver) होता है। यकृत रोगों में आँखें व बिगड़ा स्वाद, दाहिने कंधे के पीछे दर्द, शौच ऑवयुक्त कीचड़ जैसा होना, आदि लक्षण प्रतीत होते हैं।

वीर सेवा संघ द्वारा विशाल कैंप आयोजित किया गया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। स्थानीय स्वाध्याय भवन में वीर सेवा संघ के तत्वावधान में सकल दिगंबर जैन समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए एक विशाल कैंप आयोजित किया गया। जिसमें अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, जनआधार कार्ड, मूल निवास, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए प्रमाण पत्र आदि कार्य किए गए। कैंप में संस्था द्वारा मौके पर ही तीन पटवारी, नोटरी पब्लिक, 4 गैजेटेड ऑफीसर, अल्पसंख्यक विभाग के कर्मचारी, दो ईमित्र संचालक, दो लर्निंग लाइसेंस हेतु कर्मचारी उपस्थित होकर अपनी सेवाएं दी। पासपोर्ट के लिए जरूरी दस्तावेज पूर्ण करने का कार्य किया गया। कैंप में 400 व्यक्तियों ने विभिन्न विभागों में अपने प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन किया। प्रातः 9:00 बजे से सायंकाल 5:00 बजे तक कैंप लगाया गया। वीर सेवा संघ के अध्यक्ष सुभाष हूमड़ ने सभी के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ को अजमेर चातुर्मास हेतु श्री फल भेंट

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर । मार्बल नगरी किशनगढ़ में विराजित आचार्य सुनील सागर जी महाराज ससंघ के चरणों में समाज की अग्रणी संस्था श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ सेवा समिति के अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल के नेतृत्व में 51 सदस्यों के एक दल ने श्री फल भेंट कर आचार्य ससंघ को धर्म नगरी अजमेर में चातुर्मास करने हेतु निवेदन किया। समिति के प्रवक्ता पदम चन्द सोगानी ने बताया इस मौके पर समिति अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल, कोमल लुहाडिया, विनय पाटनी, टीकम चन्द पाटनी, प्रो.सुशील पाटनी,बंटी गदिया, कमल गंगवाल, ललित पाण्डया, महावीर अजमेर, नीरज पाटनी,अंकुश गदिया, पंकज गंगवाल, चिंटू गोधा, मिक्की जैन,भरत बडजात्या, नरेश जैन, बोबी गदिया, रिपेन्द्र कासलीवाल, राजेश दोसी, सुमनेश दोसी, अशोक अजमेरा, रीता जैन आदि मौजूद थे।

गंगा के सुरम्य तट पर नई पीढ़ी ने सीखी सर्वप्राचीन ब्राह्मी लिपि

वाराणसी. शाबाश इंडिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी ,काशी के गंगा नदी के सुप्रसिद्ध घाट अस्सी में आये दिन देश की संस्कृति,ज्ञान विज्ञान से संबंधित भव्य आयोजन होते रहते हैं। उसी श्रृंखला में काशी की ब्राह्मी लिपि विशेषज्ञा विदुषी डॉ. मुन्नी पुष्पा जैन एवं दिल्ली की डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव (दिल्ली) ने नई पीढ़ी को सभी लिपियों की जननी, विश्व की सबसे प्राचीन ब्राह्मी लिपि को सिखाने के उद्देश्य से मां गंगा के अस्सी घाट पर सांयकाल सर्वप्राचीन ब्राह्मी लिपि की कार्यशाला का आयोजन किया। दूसरे दिन की कार्यशाला भी सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। ज्ञातव्य है कि जैनधर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ ने राजा ऋषभदेव के रूप में प्रागैतिहासिक काल में सर्वप्रथम अयोध्या पर राज्य किया था। उन्होंने ही सर्वप्रथम सभी प्रजा जन को असि- मसि- कृषि- विद्या- वाणिज्य-शिल्प आदि छह कलाएं सिखाकर जीवन जीने की एवं निर्वहन करने की कला सिखाई थी और राजा ऋषभदेव ने सर्वप्रथम स्त्री शिक्षा का उद्घोष करते हुए अपनी पुत्री ब्राह्मी को लिपि विद्या एवं पुत्री सुंदरी को अंक (गणित) विद्या सिखाई थी। अंक विद्या का विकास आज गणित के रूप में है और अक्षर विद्या ब्राह्मी लिपि के नाम से प्रसिद्ध हुई और इसी लिपि से देवनागरी आदि सभी लिपियों का जन्म और विकास हुआ है। इस तरह उन्होंने छात्रों-छात्राओं को लिपि के इतिहास एवं विकास की परम्परा को समझाया। उन्होंने बताया कि भारत का नाम भी राजा ऋषभदेव के ज्येष्ठ पुत्र चक्रवर्ती सम्राट भरत के नाम पर पड़ा था।

धार्मिक यात्रा कर आसपास के जैन मंदिर की वदंना की

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

देवाधिदेव 1008 भगवान आदिनाथ के गर्भ कल्याणक महोत्सव पर आदिनाथ महिला मण्डल नई नशीयाजी कुचामन कि महिलाए के ग्रुप ने आज कुचामन के आसपास के ग्राम पलाडा, खारडिया, मीठडी, नावा, पाचोता, मारोठ, लिचाणा, भूणी , ईन्दोखा भावता, के दिगम्बर जैन मंदिर मे विश्व मे शान्ति कामना के भाव से दर्शन वदना पुजा की गई।किरण झाझरी, चन्द्रकाता गोघा, इन्द्रा, राजकुमारी, माला, सुशीला बज, गरिमा, सरीता पाटनी, मंजू, सुनिता ,कोमल गगंवाल ,ममता ,अल्का, रेखा जैन का भव्य विशाल जिन मंदिर जिन बिम्ब के दर्शन कर सभी का मन हर्ष उल्लास से आनन्दित हुआ। साथ ही सभी को पलाडा मे गणनी आर्यका 105 नन्दीश्ररी माताजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

भारतीय जैन मिलन आदिनाथ अजमेर जिले की नवीन कार्यकारिणी का गठन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। भारतीय जैन मिलन आदिनाथ अजमेर शाखा का शुभारंभ संस्था के क्षेत्रीय निदेशक मदन लाल बाफना के निर्देशन में हुई। क्षेत्रीय अध्यक्ष वीर प्रकाश जैन ने संस्था का परिचय कराते हुए बताया कि यह संस्था अंतरराष्ट्रीय स्तर की पहचान बन चुकी है जिसकी लगभग 1400 शाखाएं भारतवर्ष में वर्तमान में संचालित हो रही हैं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य वीर अजय जैन अजमेर इकाई की संस्था के फाउंडर मेंबर हैं वह भी सब उपस्थित रहे इस अवसर पर नई कार्यकारिणी का कभी गठन किया गया जिसमें वीर प्रदीप पाटनी को अध्यक्ष सुनील छाजेड़ को मंत्री वीर पारसमल हिंगड़ को कोषाध्यक्ष का दायित्व दिया गया राजेंद्र पाटनी वीर पवन बाकलीवाल उपाध्यक्ष बने ऑडिटर महेंद्र जैन मंत्री वीर मनीष सेठी प्रवक्ता कमल गंगवाल सहित अन्य पदाधिकारी नियुक्त किए गए।

अमर शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता की स्मृति में सरकारी अस्पताल में लगा रक्तदान शिविर

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। अखिल भारतीय माथुर वैश्य महासभा के अंतर्गत माथुर वैश्य मंडलीय परिषद मध्यांचल मंडल के तत्वावधान में आज सरकारी अस्पताल अम्बाह में अमर शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता की स्मृति में आठवां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया यह शिविर प्रातः 10:00 बजे प्रारंभ हुआ जिसका शुभारंभ पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बच्चू लाल गुप्ता द्वारा किया गया शिविर में लगभग 51यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए मैत्री वेलफेयर फाउंडेशन अम्बाह द्वारा रक्तदान करने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया गया। इसके साथ ही उन्हें भीषण गर्मी में पंछियों के लिए दाना पानी एवं प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए पौधे भी उपलब्ध कराए इस मौके पर बच्चू लाल गुप्ता ने बताया कि ब्लड डोनेट करने से सेहत को कोई नुकसान नहीं, बल्कि फायदा होता है। इससे किसी व्यक्ति का जीवन बच सकता है। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति साल में चार बार ब्लड डोनेट कर सकते हैं। रक्तदाता का हीमोग्लोबिन कम से कम 12.5 होना चाहिए। रक्तदान करना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। रक्तदान करने के बाद शरीर में नये रक्त का निर्माण होता है। इससे शरीर की कोशिकाओं को मजबूती मिलती है। रक्तदान करने वाले लोगों को ध्यान रखना होगा कि वे स्वस्थ्य हो, साथ ही एचआईवी, हेपाटिटिस बी या हेपाटिटिस सी जैसे रोग न हुए हों। उन्होंने कहा रक्तदान को लेकर लोगों के मन में भय रहता था, जो प्रचार-प्रसार के बाद धीरे-धीरे कम होने लगा है। रक्तदान करने वाले को चाहिए कि वह शरीर में आयरन की मात्रा को बढ़ाये। नियमित रूप से रक्तदान करने वालों को , पालक व किशमिश जैसी आयरन से भरपूर पोषक तत्व लेने चाहिए। इस दौरान मैत्री वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने कहा कि युवाओं को रक्तदान में ज्यादा से ज्यादा संख्या में हिस्सा लेना चाहिए। रक्तदान महादान की श्रेणी में आता है। रक्तदान करने से जरूरतमंद की मदद तो, होती है।